पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने वीर सावरकर को श्रद्धांजलि अर्पित की

लखनऊः 28 मई, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर की जयंती पर उन्हें याद करते हूये भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा है कि वीर सावरकर बहूआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। वे एक विख्यात लेखक, समाज सुधारक, इतिहासकार, साहित्यकार, संवेदनशील कवि और सबसे बढ़कर एक महान क्रांतिकारी थे, जिन्हे अंग्रेजों ने दो बार आजीवन करावास की सजा दी थी। उनकी कविता 'हे मातृभूमि तूजला मन वाहियेले' हमें आज भी प्रेरणा देती है। वीर सावरकर पहले व्यक्ति थे जिन्होंने यह साबित किया कि 1857 का समर 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' था जिसे अंग्रेजों ने बगावत का नाम दिया। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर ने देश लिये अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था।

श्री नाईक ने कहा कि हमें वीर सावरकर के आदर्शों से सीख लेकर देश और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिये।

अंजुम/ललित/राजभवन (181/23)